Department:-Hindi

Sr. No.	Course	Level	Course Code	Syllabi	Weightage	No. of classes/ week	Course specific outcome	Program specific outcome
1	प्राचीन एंव मध्यकालीन काव्य	A-113	UG	View Document	50	6	विधार्थियों को आदिकालीन काव्य, तथा प्रबन्ध, मुक्तक आदि अनेक रूपों का ज्ञान होता है। इससे भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है।	तीन वर्ष के हिन्दी पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्यों की विभिन्न प्रवृत्तियों का ज्ञान हो जाता है।
2	हिन्दी नाटक एंव रंगमंच	A-114	UG		50	6	इस प्रश्न–पत्र से हिन्दी नाटकों की ऐतिहासिकता का ज्ञान होता है।	
3	आधुनिक हिन्दी काव्य	A-213	UG		50	6	इस पाठ्यक्रम में हिन्दी काव्य की संवेदनाओं, भावनाओं से नवीन विचार धाराओं से विद्यार्थी का साक्षात्कार होता है।	
4	हिन्दी कथा साहित्य	A-214	UG		50	6	इस विधा की रचनाओं एवं रचनाकारों के माध्यम से विशेष समयावधि में समाज एवं उसके सरोकारों से परिचित होते हैं तथा उनमें युगबोध विकसित होता है।	
5	अद्यतन हिन्दी एंव कौरवी लोक काव्य	A-313	UG		50	6	हिन्दी जगत में विद्यमान विभाषाओं में अमूल्य कौरवी साहित्य संपदा विद्यमान है। इसके संकलन संपादन सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संस्कृति संरक्षित है। विद्यार्थी वर्ग यह ज्ञान प्राप्त करता है।	
6	हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएं	A-314	UG		50	6	निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाओं के अध्ययन से छात्र वर्ग लाभान्वित हुये।	

Sr. No.	Course	Level	Course Code	Syllabi	Weightage	No. of classes/ week	Course specific outcome	Program specific outcome
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	G-1025	PG	View Document	100	6	साहित्य के इतिहास की समझअपने समय और समाज के सन्दर्भ में साहित्य का मूल्यांकन कर सकने की क्षमता विद्यार्थी के भीतर उत्पन्न करने की दृष्टि से अद्वितीय है। इस पाठ्यक्रम का सम्पक अध्ययन विद्यार्थी के लिए लगभग सभी रोजगार परक प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए आवश्यक है। साहित्य के अध्ययन के सभी आयाम साहित्य के अध्ययन के माध्यम से स्पर्श किए जा सकते हैं।	
2	प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य	G-1026	PG		100	6	छात्र–वर्ग लोक–जागरण और लोक–मंगल हेतु नीतिपूर्ण भक्तिकालीन साहित्य से सत्य, अंहिसा एवं त्याग जैसे उच्चादर्शों का ज्ञान प्राप्त करते हैं।	
3	नाटक एवं रंगमंच	G-1027	PG		100	6	हिन्दी नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी ऐतिहासिकता के साथ–साथ जीवन की विसंगतियों और विद्रूपताओं परिचित होते हैं। नाटक के विस्तृत अध्ययन द्वारा वह नाट्य लेखक, रंगकर्मी, नाट्य आलोचक के रूप में कार्य करने को प्रेरित हो सकते हैं।	
4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	G-1028	PG		100	6	प्रयोजनमूलक हिन्दी केवल साहित्य की भाषा न रहे बल्कि जीवन के विविध क्षेत्रों में प्रभावी रूप	

							से प्रयुक्त हो। कार्यालय तकनीकी, विज्ञान, विधि संचार एवं अन्य गतिविधियों में प्रयोग करने के लिए प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान होना आवश्यक है। विद्यार्थी इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं।	
5	उत्तर मध्यकालीन काव्य	G-2025	PG		100	6	काव्य ग्रन्थों के माध्यम से तात्कालिक सभ्यता, संस्कृति एवं परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
6	कथा–साहित्य	G-2026	PG		100	6	कथा–साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय विधा की रचनाओं के माध्यम से विशेष समयावधि में समाज एवं उसके सरोकारों से परिचित होते हैं उनमें युगबोध विकसित होता है।	
7	कथेतर गद्य साहित्य	G-2027	PG		100	6	गद्य–स्वरूप तय हो जाने के बाद इसमें लेखन की सक्रियता बढ़ी, विविध विधाओं जैसे निबन्ध व्यंग्य, रेखाचित्र, संस्मरण, डायरी रिपोर्ताज, आत्मक था जीवनी, आलोचना आदि विधाओं के प्रति पढ़ने लिखने में रूझान बढ़ा। इससे छात्र परिचित होंगे।	
8	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	G-2028	PG		100	6	भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी केवल अपनी भाषा से ही नहीं विश्व के भाषा परिवार से परिचित होते हैं। वे भाषा की संरचना एवं उसके विकास के विविध आयामों से परिचय पाते हैं और इस तरह उनके मन मस्तिष्क में भाषा एवं विभेदकारी इकाई के स्थान पर एवं सूत्र में जोड़ने वाली इकाई के रूप में अंकित होती है। विभिन्न भाषाओं के प्रति उन्मुकता और समझ विकसित करने का काम भाषा विज्ञान के अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से होता है।	

9	आधुनिक काव्य (छायावाद पर्यन्त)	G-3025	PG		100	6	उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि के हिन्दी काव्य की संवेदनाएं, भावनाएं एव नूतन विचार सरणियों से विद्यार्थी का साक्षात्कार होता है।	
10	भारतीय काव्यशास्त्र	G-3026	PG		100	6	छात्र–वर्ग काव्यशास्त्रीय तत्त्वों एवं काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य–स्वरूप, काव्य की आत्मा रस, काव्यगत गुण व दोषों का ज्ञान प्राप्त करते हैं।	
11	विशिष्ट रचनाकार (प्रेमचंद)	G-3027	PG		100	6	विशिष्ट रचनाकार के रूप में प्रेमचंद के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक काल में कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास) के उत्कर्ष से परिचय पाते हैं। साधारण से साधारण आदमी, किसान और मजदूर को कथा नायकों के रूप में देखना दुनिया को देखने के उनके नजरिये में बड़ा परिवर्तन लाता है। आम आदमी के कष्ट और पीड़ा को जानकर विद्यार्थी की संवेदना में बड़ा सकारात्मक परिष्कार होता है और वह बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर होता है।	
12	पत्रकारिता प्रशिक्षण	G-3028	PG		100	6	छात्र–वर्ग को ज्ञान होता है कि पत्रकारिता ने व्यक्ति से लेकर समूह तक और देश से लेकर विश्व को एकसूत्र में बाँधने का काम किया। जिज्ञासा पत्रकारिता का मूलभाव है। पत्रकारिता का विकास जिज्ञासा को शान्त करने के प्रयास के रूप में किया जाता है।	
13	छायावादोत्तर काव्य	G-4025	PG		100	6	छायावाद के बाद लिखे काव्य साहित्य से परिचय विद्यार्थियों को अद्यतन काव्य प्रवृत्तियों से परिचित करने में सहायक होता है। तमाम काव्यान्दोलनों से उनका परिचय साहित्य की समग्रता में समझ बनाने में सहायता करता है और विद्यार्थियों की संवेदना में परिष्कार करता	

							है	
14	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	G-4026	PG		100	6	सिद्धान्तों–वादों और समीक्षात्मक संकल्पनाओं, साहित्येत्तर अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त करते हैं।	
15	विशिष्ट साहित्य–धारा (भारतीय साहित्य)	G-4027	PG		100	6	विद्यार्थी वर्ग परिचित होता है कि भारतीय साहित्य एकता और विविधता के आधार पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में रचित दीर्घकालीन साहित्य है और एकता के परस्पर सूत्रों में बुनी हुई एक सघन इकाई है।	
16	हिन्दी आलोचना	G-4028	PG		100	6	हिन्दी आलोचना के अध्ययन से विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी में एक निष्पक्ष चिन्तक का विकास होता है व विद्यार्थी एक सफल आलोचक बन सकता है जो कि हिन्दी पठन पाठन का मूल प्रयोजन है।	